बीए (ऑनर्स) हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार (Patrakarita Evam Jan Sanchar)

पाठ्यक्रम से लिंक करें:

http://www.du.ac.in/du/uploads/Syllabus_2015/B.A.%20Hons.%20Hindi%20Journalism%20&%20Mass%20Communication.pdf

कोर्स परिणाम:
आज हम जन संचार और सूचना प्रौद्योगिकी की उम्र में रह रहे हैं। मीडिया में समाज को बदलने की शक्ति है और मीडिया में चमकदार और पुरस्कृत कैरियर बनाने की अपार संभावनाएँ है। हिंदी मीडिया आज तर्कसंगत रूप से सबसे प्रभावशाली मीडिया है क्योंकि यह भारत की कुल आबादी का 41 प्रतिशत सीधे कवर करता है। 21 वीं शताब्दी के मीडिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए हम हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातक स्तर का एक कोर्स पढ़ाते हैं जो नौकरी उन्मुख पाठ्यक्रम है। इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद छात्रों को विभिन्न समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, रेडियो, फिल्म्स, टेलीविजन, समाचार चैनल, वेब पोर्टल पत्रकारों, सामग्री लेखकों, संपादकों, उत्पादकों, एंकरों, रेडियो जॉकी, समाचार वाचक, अनुवादकों, फोटो पत्रकार, पीआर कार्यकारी रूप में एवं विज्ञापन इत्यादि के क्षेत्र में रोजगार मिल सकता है । यह कोर्स मीडिया में चुनौतीपूर्ण करियर के लिए आवश्यक ज्ञान और औजार प्रदान करता है। स्नातक छात्र मीडिया नैतिकता, मीडिया नीति, उत्पादन कौशल के क्षेत्रों में कुशल होंगे और स्थानीय और क्षेत्रीय आवश्यकताओं को पूरा करने वाली सामग्री के साथ विभिन्न मीडिया प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। छात्र एमए, एम.फिल कर उच्च शिक्षा में करियर बना सकते हैं एवं पत्रकारिता और मास संचार के क्षेत्र में अनुसंधान करके पीएचडी कर सकते हैं। व्यावहारिक ज्ञान और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए हमारे पास नवीनतम मशीनों और सॉफ्टवेयर के साथ एक मीडिया प्रयोगशाला और मीडिया उत्पादन केंद्र है। विभाग नियमित रूप से अख़बार 'आरएलए समाचार' और एक पत्रिका 'संभव' प्रकाशित करता है।

नीचे दिए गए तीन साल के स्नातक कार्यक्रम के हिस्से के रूप में सिखाए गए विभिन्न पाठ्यक्रमों के अपेक्षित सीखने के परिणामों का संक्षिप्त विवरण दिया गया है। पाठ्यक्रम,संरचना कला में सभी ऑनर्स पाठ्यक्रमों के समान ही है।

सेमेस्टर –1
प्रश्नपत्र –1.1
जनसंचार माध्यम (कोर अनुशासन –1)
यह पेपर छात्रों को संचार और मीडिया की मूल बातें प्रस्तुत करता है। इस पेपर के माध्यम से छात्र समाज पर जन मीडिया के प्रभाव के बारे में भी जान सकते हैं।

प्रश्नपत्र–1.2
हिंदी पत्रकारिता का इतिहास (कोर अनुशासन –2)
यह पेपर छात्रों को हिंदी पत्रकारिता का इतिहास पेश करता है। पेपर को चार वर्गों में विभाजित किया गया है–
1. स्वतंत्रता से पहले हिंदी पत्रकारिता का इतिहास
2. स्वतंत्रता के बाद हिंदी पत्रकारिता का इतिहास
3. 1975 से 1990 तक हिंदी पत्रकारिता

4. 1 990 के बाद हिंदी पत्रकारिता।
इस पेपर के माध्यम से छात्र पत्रकारिता की भूमिका के बारे में जान सकते हैं। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी पत्रकारिता, आपातकाल के समय हिंदी पत्रकारिता, उदारीकरण की उम्र में और उदारीकरण के बाद हिंदी पत्रकारिता की जानकारी भी इस पेपर में है।

प्रश्नपत्र–1.3
(ए) संस्कृति साहित्य और मीडिया (जेनेरिक वैकल्पिक, कोई भी)

(बी) फोटो पत्रकारिता

पहला जेनेरिक पेपर संस्कृति और मीडिया के बीच संबंधो के बारे में बताता है। यह समाज पर मीडिया के प्रभाव पर भी प्रकाश डालता है और लोकप्रिय संस्कृति, लोक संस्कृति के बारे में बताते हुए इंटरनेट और सूचना प्रौद्योगिकी के समय संस्कृति के मुद्दों से संबंधित है।
दूसरा जेनेरिक पेपर – फोटो पत्रकारिता छात्रों को फोटो पत्रकारिता के आकर्षक और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में अवगत कराती है और इस पेपर के माध्यम से छात्र विभिन्न प्रकार के कैमरे, कैमरा कोण और शॉट्स के बारे में गहराई से ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। छात्र विभिन्न फोटो संपादन टूल और डबिंग की मूल बातें भी सीखते हैं।

प्रश्नपत्र–1.4
भाषा– एमआईएल.कॉम .इंग्लिश.पर्यावरण विज्ञान (एईसीसी)

सेमेस्टर –2

प्रश्नपत्र– 2.1- जनमाध्यमों की भाषा (कोर अनुशासन –3)
यह पेपर मास मीडिया में भाषा के विभिन्न पहलुओं से संबंधित है। जिसमें 'प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (ऑडियो और वीडियो), मीडिया के अनुवाद और तकनीकी शर्तें शामिल हैं
प्रश्नपत्र– 2.2- प्रसार की अवधरणा और रिपोर्टिंग
यह पत्र रिपोर्ट लेखन और छात्रों को रिपोर्टिंग के शिल्प को बताता है। प्रश्नपत्र चार भागों में विभाजित है। रिपोर्ट लेखन की परिभाषा और तत्वों के अर्थ के साथ–साथ ,यह पत्र समाचार एजेंसियों के कामकाज के बारे में भी बताता है।
प्रश्नपत्र–2.3-जेनेरिक वैकल्पिक (कोई भी)

(ए) फिल्म अध्यायन– फिल्म अध्ययनों पर पेपर छात्रों को सिनेमा, इतिहास और विभिन्न शैलियों की दुनिया पेश करता है। यह पत्र छात्रों को फिल्म बनाने और विपणन की तकनीक को समझने में मदद करता है।

या

(बी) सोशल मीडिया – सोशल मीडिया पर पेपर छात्रों को सोशल मीडिया की मूलभूत बातें बताता है। यह पेपर चार वर्गों में बांटा गया है। 1. सोशल मीडिया का परिचय 2. फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम इत्यादि जैसे सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म 3. सोशल मीडिया का वाणिज्यिक उपयोग 4. सोशल मीडिया एंड सोसाइटी।

प्रश्नपत्र–2.4-भाषा– एमआईएल– पर्यावरण विज्ञान (एईसीसी)

सेमेस्टर। 3

प्रश्नपत्र–3.1-मध्यम कानून और आचार संहिता (कोर अनुशासन –5)

यह पेपर मध्यम कानून और आचर संहिता (प्रेस लॉ एंड एथिक्स), भारत में प्रेस कानूनों और नैतिकता का गहन ज्ञान प्रदान करता है।

प्रश्नपत्र–3.2- संपादन

इस पेपर को प्रिंट मीडिया में संपादन के गहन ज्ञान प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें संपादन, कॉपी संपादन, ऑनलाइन संपादन, समाचार पत्र का लेआउट डिज़ाइन शामिल है।

प्रश्नपत्र–3.3- रेडियो

इस पेपर का उद्देश्य रेडियो प्रोग्रामिंग के बारे में ज्ञान प्रदान करना है। इसमें रेडियो का इतिहास, एफएम रेडियो, एएम रेडियो, लघु लहर और सामुदायिक रेडियो, रेडियो बुलेटिन, महिलाओं, बच्चों, विज्ञान, खेल, राजनीति इत्यादि जैसे रेडियो चैनलों के प्रकार शामिल हैं।

प्रश्नपत्र–3.4 (ए) – राजनीति विचारधारा और हिंदी मीडिया (जेनेरिक वैकल्पिक)

यह पत्र राजनीति और विचारधारा के साथ हिंदी मीडिया के संबंधों के बारे में गहन ज्ञान प्रदान करता है।

या

प्रश्नपत्र–3.4 (बी) –मीडिया उत्पादन

इस पत्र का उद्देश्य प्रिंट, रेडियो, टेलीविजन / वीडियो, फिल्म और वेब में मीडिया उत्पादन की प्रक्रिया का ज्ञान प्रदान करना है।

प्रश्नपत्र–3.5 (ए) – मुद्रित माध्यमों की प्रस्ठसज्जा (कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम)

इस पेपर को अख़बार और पत्रिका उत्पादन के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए छात्रों की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

या

प्रश्नपत्र–3.5 (बी) – रेडियो कार्य्रकम और निर्माण

यह पेपर रेडियो प्रोग्रामिंग के क्षेत्र में विद्यार्थियों के कौशल में वृद्धि के लिए विचार से प्रसारण तक शुरू करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

सेमेस्टर –4

प्रश्नपत्र–4.1 -नया मीडिया (कोर अनुशासन –8)

हम नए मीडिया की उम्र में रह रहे हैं। यह पेपर न्यू मीडिया के व्यावहारिक ज्ञान पर केंद्रित है। जिसमें ब्लॉग का इतिहास शामिल है, सामाजिक परिवर्तन, सोशल मीडिया, वेब पोर्टल और उनके कामकाज में इसका महत्व है।

प्रश्नपत्र–4.2-टेलीविजन (कोर अनुशासन –9)

यह पेपर टेलीविजन संचार के माध्यम से टेलीविज़न के कामकाज के साथ छात्रों को परिचित कराता है, दूरदर्शन की भूमिका राष्ट्रीय प्रसारक के रूप में, टेलीविजन स्टूडियो की संरचना, टेलीविजन कार्यक्रमों के लिए संपादन और लिपि लेखन।

प्रश्नपत्र–4.3 -विकास पत्रकारिता (कोर अनुशासन –10)
यह पेपर छात्रों को अर्थशास्त्र, बुनियादी सिद्धांतों और विकास पत्रकारिता, ग्रामीण और क्षेत्रीय पत्रकारिता की अवधारणा पर बहस करने के लिए प्रस्तुत करता है। यह पत्र असंगठित पत्रकारिता क्षेत्र की समस्याओं और चुनौतियों पर भी चर्चा करता है।

प्रश्नपत्र–4.4 (ए) –पटकाथा लेखन (जेनेरिक वैकल्पिक)
इस पेपर का उद्देश्य छात्रों को सिनेमा, टेलीविजन और रेडियो में लिपि लेखन के शिल्प के सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना है। यह स्क्रिप्ट लेखन और साहित्य के बीच संबंधों की भी पड़ताल करता है।
या
प्रश्नपत्र–4.4 (बी) –संचार क्रांति, वैष्णिक प्रज्ञा और हिंदी मीडिया
यह पेपर सूचना प्रौद्योगिकी, समकालीन दुनिया परिदृश्य और हिंदी मीडिया पर केंद्रित है। यह छात्रों को मीडिया, वैश्वीकरण, आतंकवाद, युद्ध और राजनीति, शस्त्र और पर्यावरण,समकालीन मीडिया के निजीकरण और निगमकरण जैसे हमारे समय की प्रमुख बहसों के बारे में बताता है।

प्रश्नपत्र–4.5 (ए) –वृत्तचित्र बनाना (कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम)
यह वृत्तचित्र फिल्म बनाने, इसके इतिहास, सिद्धांतों और उत्पादन के क्षेत्र में ज्ञान प्रदान करने के लिए एक कौशल आधारित पेपर है।
या
प्रश्नपत्र–4.5(बी) /टेलीविजन कार्यकर्म: निर्मन की प्रकृति
यह पेपर टेलीविज़न कार्यक्रम की प्रक्रिया को अपने विभिन्न चरणों के उत्पादन की व्याख्या करता है और ग्राफिक्स, विशेष प्रभाव, कैमरा और वीडियो संपादन में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करता है।

सेमेस्टर –5
प्रश्नपत्र–5.1-मीडिया रिसर्च (कोर अनुशासन –11)
यह पेपर शोध के विचार से संबंधित है। अनुसंधान पद्धति और सामग्री विश्लेषण विषयों में भी शामिल हैं। यह पत्र छात्रों को पिछले शैक्षणिक वर्षों में उनके ज्ञान और कौशल का उपयोग करने में सक्षम बनाता है।

प्रश्नपत्र–5.2-मीडिया लेखन और समाचार पत्र निर्माण (कोर अनुशासन –12)
इस पेपर में मीडिया के लिए लेखन की विभिन्न अवधारणाएं शामिल हैं। इस पेपर में छात्रों के लिये न केवल सैद्धांतिक पहलुओं को कवर किया गया है बल्कि समाचार पत्रों, पत्रिकाओं आदि के डिजाइन और लेआउट जैसे व्यावहारिक पहलुओं को भी शामिल किया है।

प्रश्नपत्र–5.3 -हाशिये का समाज, बीमार अस्मता और हिंदी मीडिया (अनुशासन विशिष्ट वैकल्पिक –1)
यह पेपर हिंदी बोलने वाले बेल्ट में समाज के विभिन्न पहलुओं और जन मीडिया के साथ इसके संबंधों से संबंधित है। यह पत्र हाशिए वाले समाज और उनके पहचान प्रश्न का वर्णन, सामाजिक–पारंपरिक पृष्ठभूमि, जाति के प्रश्न, वर्तमान सामाजिक संरचना आदि में दर्शाता है।

प्रश्नपत्र–5.4-जन्माध्यमो की सैधांतिकी (अनुशासन विशिष्ट वैकल्पिक –2)

यह पत्र अपने स्वरूपों और प्रकारों, कार्य शैलियों, उद्देश्यों, नए द्रव्यमान मीडिया और मास मीडिया की प्रस्तुति की समीक्षा करके मास मीडिया पेश करता है।

सेमेस्टर –6

प्रश्नपत्र–6.1-विज्ञापन और जनसंपर्क (कोर अनुशासन –13)

इस पेपर में छात्र विज्ञापन और सार्वजनिक संबंधों के बारे में जानेंगे। विज्ञापन संचार का माध्यम कैसे है। इस पेपर की दूसरी इकाई में पीआर के विभिन्न पहलुओं के बारे में वर्णन किया गया है। इसमें न केवल परिभाषा, जरूरतों और चुनौतियों बल्कि पीआर उद्योग की संरचना और कार्य शामिल हैं।

प्रश्नपत्र–6.2-पारियोजना क्रिया (कोर अनुशासन –14)

यह पत्र शोध पर जोर देने के साथ पाठ्यक्रम का व्यावहारिक हिस्सा है। विषयों को बाहरी परीक्षकों द्वारा दिया जाता है जो लिखित दस्तावेज़ और साक्षात्कार के माध्यम से छात्र के ज्ञान और कौशल का आकंलन करते हैं।

प्रश्नपत्र–6.3-मीडिया प्रबंधन (अनुशासन विशिष्ट वैकल्पिक –3)

यह पत्र छात्रों को मीडिया प्रबंधन के अर्थ, परिभाषा, महत्व और सिद्धांतों को जानने में सक्षम बनाता है। इस पत्र में प्रेस काउंसिल एक्ट, प्रबंधन और पूंजी नियोजन और जन संचार के अर्थशास्त्र भी शामिल हैं।

प्रश्नपत्र–6.4-हिंदी पत्रकारिता के नए आयाम (अनुशासन विशिष्ट वैकल्पिक –4)

यह पत्र हिंदी पत्रकारिता के नए आयामों का वर्णन करता है, जैसे घटना प्रबंधन, प्रायोजन और पत्रकारिता की इंटरकनेक्टिविटी, पर्यावरण में मीडिया की भूमिका, आपदा प्रबंधन, निगमों की सामाजिक देनदारियां और लोक प्रशासन संस्थान, वाणिज्य प्रबंधन और पत्रकारिता की इंटरकनेक्टिविटी।